



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 8 सितम्बर, 2000/17 भाद्रपद, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा, जिला कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 26 अगस्त, 2000

सं० के० जी० आर०-ई (14) 22/91-4026-4213.—चूंकि श्री बलदेव सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि० प्र०) के विरुद्ध श्री जर्म सिंह मण्ड श्री चतर सिंह, निवासी कमनाला द्वारा माननीय लोकायुक्त, हिमाचल प्रदेश को शिकायत की गई थी, जिसकी जांच, अन्य अपूर्ण विकासात्मक कार्यों सहित, विभागीय निर्देशों के दृष्टिगत जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा ने सम्पन्न की है ;

(1) और चूंकि रास्ता निर्माणार्थ पी० डब्ल्यू० डी० सड़क नरेन्द्र के घर में जोगिन्द्र के घर तक "विकास में जनसहयोग योजना" के अन्तर्गत रु० 92,600/- रुपये स्वीकृत हुए थे जिसमें से रु० 90,800/- रुपये चार किशतों में खण्ड विकास अधिकारी, नूरपुर द्वारा उक्त प्रधान को अदा किये थे। प्रधान ने रु० 1,26,404/- रुपये का व्यय दर्शाया है। परन्तु तत्कालीन कनिष्ठ अभियन्ता नूरपुर विकास खण्ड की

एम0 बी0 नं0 6439 पृष्ठ 96 से 100 के अन्तर्गत उपरोक्त रास्ता निर्माण का मूल्यांकन मू0 1,02,548/- रुपये पाया गया तथा इसे स्वीकृत अनुदान तक सीमित किया गया। इस प्रकार प्रधान श्री बलदेव सिंह ने स्वीकृत राशि से अधिक मू0 35,604/- रुपये का व्यय दर्शाते हुए धनराशि का अनुचित ढंग से छलहरण किया है, जो कि उससे प्राप्तव्य है।

(2) और चूँकि प्रधान ने विकास कार्यों पर किये गए मासिक व्यय का अनुमोदन प्रायः पंचायत व ग्राम सभा से प्राप्त नहीं किया है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1977 के नियम (18) 3 तथा 27(3) का स्पष्ट उल्लंघन है। राजकीय उच्च विद्यालय जसूर के तीन कमरों के निर्माण के समय मई, 1998 में सम्बन्धित पदाधिकारी द्वारा लगभग 1000 उठाये गए पत्थरों को, मुख्याध्यापक की रिपोर्ट अनुसार, प्रधान द्वारा लौटाये जाने का आश्वासन देकर भी उसका पालन न करना नियमों के विरुद्ध है।

(3) और चूँकि विकास में जनसहयोग योजना के अन्तर्गत मू0 1,63,000/- रुपये राजकीय उच्चविद्यालय जसूर के तीन कमरों के निर्माणार्थ स्वीकृत किये गए थे जिसमें से 16-9-98 तक मू0 1,30,000/- रुपये उक्त प्रधान को अदा किये जा चुके हैं, परन्तु लगभग 2 वर्ष की अवधि व्यतीत होने पर भी 5 दरवाजों व 6 श्लेजों में पहले लगने बाकी हैं जो कि नियमानुसार कर्तव्यों/दायित्वों के प्रति उपेक्षा तथा उदासीनता का स्पष्ट उदाहरण है। अन्तिम किस्त की अदायगी केवल कार्यपूति पर ही की जा सकती है।

(4) और चूँकि विकास में जनसहयोग योजना के अन्तर्गत सुरेन्द्र के घर से चरणजीत सिंह के घर तक पक्का रास्ता निर्माण हेतु मू0 82,200/- रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है जिसमें से खण्ड विकास अधिकारी नूरपुर द्वारा तिथि 26-11-98 तक मू0 65,600/- रुपये की अदायगी की जा चुकी है और 64,925/- रुपये का व्यय दर्शाया गया है परन्तु कनिष्ठ अभियन्तानुसार इसका मूल्यांकन मू0 57,616/- है। इस रास्ता की चौड़ाई 10×300 है तथा इसमें कंक्रीट कार्य किया जाना शेष है। इस प्रकार अनुदान का दुरुपयोग किया गया है तथा नियमानुसार कर्तव्यों की उपेक्षा की गई है, जो कि जनहित में नहीं है।

(5) और चूँकि कुलदीप के घर से मुभाष पूरी के घर तक लिंक रोड निर्माणार्थ विकास में जनसहयोग योजना के अन्तर्गत मू0 94,800/- रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया था जिसमें से खण्ड विकास अधिकारी नूरपुर द्वारा दो किश्तों में मू0 47,500/- रुपये की अदायगी की जा चुकी है परन्तु तिथि 7-12-98 तक केवल मू0 32,700/- रुपये व्यय किये गए हैं। इस लिंक रोड का 140 मीटर भाग जिसकी चौड़ाई $14\frac{1}{2}$ है कि फिलिंग की जा चुकी है तथा कन्क्रीट व टायरिंग का कार्य शेष है। लिंक रोड का 60 मीटर भाग जो 12' चौड़ा है, पक्का किया जा चुका है। इस प्रकार यह कार्य 19 मास की अवधि तक भी पूर्ण न करना प्रधान, श्री बलदेव सिंह की अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही व उदासीनता तथा धनराशि के दुरुपयोग की पुष्टि करता है।

(6) और चूँकि निर्माण कुंआ जसूर हेतु विकास में जनसहयोग योजना के अन्तर्गत मू0 1,00,000/- रुपए का अनुदान स्वीकृत किया गया था जिसमें से खण्ड विकास अधिकारी नूरपुर द्वारा तिथि 12-11-98 तक मू0 50,000/- रुपए दो किस्तों में अदा किए गए थे, परन्तु निर्माण कार्य 20 मास की अवधि व्यतीत होने पर भी केवल 75 प्रतिशत किया गया है तथा शेष 25 प्रतिशत कार्य अपूर्ण है; और

चूँकि उपरोक्त आरोपों का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु श्री बलदेव सिंह, प्रधान को कारण बताओ नोटिस तिथि 22 जुलाई, 2000 को जारी किया गया था, जिसका उत्तर तिथि 4-8-2000 जो कि खण्ड विकास अधिकारी, नूरपुर जिला कांगड़ा के माध्यम से प्राप्त हुआ है, संवीक्षा पञ्चायत गन्तोपजनक नहीं पाया

श्री और अधोहस्ताक्षरी इस बात से मन्तुष्ट है कि उक्त श्री बलदेव सिंह के प्रधान पद पर बने रहने से नियमित जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए उसका प्रधान पद पर बने रहना लोकहित में अवांछनीय है।

अतः मैं, आर० सी० कपिल आ० प्र० से०, उपायुक्त कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) एवं हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 (1) (क) के अन्तर्गत, श्री बलदेव सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा को प्रधान पद से तुरन्त निलम्बित करना हूँ तथा आदेश देता हूँ कि उक्त नियम के उप-नियम (3) के अन्तर्गत प्रधान की निलम्बनावधि में उप-प्रधान द्वारा प्रधान पद के समस्त कार्यों तथा शक्तियों का प्रयोग किया जायगा।

आर० सी० कपिल,
उपायुक्त,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

जापन

सोलन-171 212, 4 सितम्बर, 2000

संख्या एस० एल० एन०-1-8/इ० पी०-2 के-972-981.—इस कार्यालय के आदेश संख्या एस० एल० एन०-1-8/इ० पी०-2 के-690-733, दिनांक 18-8-2000 के क्रम में, पंचायत समिति धर्मपुर के वाडें संख्या 6. कृष्णगढ़ में ग्राम सभा “चामियाँ” तथा “गनोल” भी सम्मिलित हैं।

हस्ताक्षरित/-
उपायुक्त,
सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय नगर पंचायत अर्की, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

अधिसूचना

अर्की, 4 सितम्बर, 2000

संख्या नं० प० प्र० (सलम०) 521-—राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश की अधिसूचना संख्या यू० डी०-एफ० (4)-3/98-III दिनांक 3-8-2000 के द्वारा हिमाचल प्रदेश गन्दी बस्ती क्षेत्र (गुद्धार तथा उन्मूलन) अधिनियम, 1979 (1979 का 19) की धारा 2 के खण्ड (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए मैं,

सचिव नगर पंचायत अर्की एतद्द्वारा नगर पंचायत अर्की के क्षेत्राधिकार के अन्दर के निम्न क्षेत्रों को गन्दी बर्नी क्षेत्र घोषित करता हूँ : —

सम्बन्धित क्षेत्र	सीमायें
1. गृहल्ला मुरासी बाई नं० 5	<p>उत्तर : — रीला सड़क</p> <p>दक्षिण : — खरयाबण नामा</p> <p>पूर्व : — मुरासी गृहल्ला स्थित पालिका कार्यालयों को जाने वाला रास्ता ।</p> <p>पश्चिम : — बाई नं० 7 की सीमा का नाम ।</p>
2. गृहल्ला कुल्हड़ी बाई नं० 3	<p>उत्तर : — हिमाचल प्रदेश बि० परिषद मण्डल कार्यालय वाली सड़क ।</p> <p>दक्षिण : — खड्याल नाम</p> <p>पूर्व : — अर्की मांजू रोड चौक से बिष्टुन मण्डल कार्यालय को जाने वाला पालिका रास्ता ।</p> <p>पश्चिम : — अर्की मांजू सड़क ।</p>

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव ।

[Authoritative English text of this Department Notification No. NPA-SLUM 521, dated 4-9-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

OFFICE OF THE NAGAR PUNCHAYAT ARKI, DISTRICT SOLAN H. P.

NOTIFICATION

Arki, the 4th September, 2000

No. NPA-SLUM-521.—In exercise of the powers delegated to me by the Government of Himachal Pradesh Notification No. UD-F(4)-3/98-III dated 3-8-2000 under clause (C) of section 2 of the Himachal Pradesh Slum Area (Improvement and Clearance) Act, 1979

(Act No. 19 of 1979) I, Secretary Nagar Panchayat Arki do hereby declare the following area within the Jurisdiction of Nagar Panchayat Arki as Slum Pockets :—

Area	Boundaries
1. Mohala Murasi Ward No. 5	<p><i>North</i> :—Sheela Road.</p> <p><i>South</i> :—Kharyawan Nala.</p> <p><i>East</i> :—Path to Community Latrine at Murasi Muhalla.</p> <p><i>West</i> :—Nalla of Boundary of Ward No. 7.</p>
2. Mohala Kulari Ward No. 3	<p><i>North</i> :—Road to H. P. S. E. B. Electricity Division Office.</p> <p><i>South</i> :—Khadyaloo Nalla.</p> <p><i>East</i> :—Nagar Panchayat Road from Arki Manjoo Road Choak to Electricity Division.</p> <p><i>West</i> :—Arki Manjoo Road.</p>

By order,

Sd/-
Secretary.

